



0383 771385

०	१५०००	००	००
१	१५०००	००	००
२	१५०००	००	००



महात्मा गांधी



राजेश्वरी



राम कृष्ण मुख्य

वित्त विभाग

प्रिस्टल वंड एनार्ड	रु 1,36,063/-
कर्मचारी	रु 1,11,375/-
सभा विदेश अधिकारी संघ	रु 18,100/-

१. बूमि वा इमारत

२. ग्राम्य

३.

४. समाज वा विद्या

१. दूर

२. लोगों

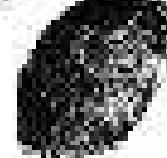
३. गुरुगण्यमाला प्राप्ति

४. श्री चतुर्थ राजा राम 355 रुपया 0.50
लाइसेंस, लेखा ग्राम- गुरुगण्यमाला
गुरुगण्यमाला, गुरुगण्यमाला लाइसेंस -
राम 355 रुपया 0.50

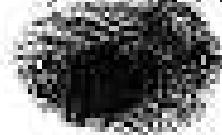
दूर विभाग



लोगों विभाग



गुरुगण्यमाला



भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये
₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES
Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

B 279422

24. 7. 2015

• 3 - 3 •

दस्तावेज की संख्या - ३	दिलेव का को नम्बर - ।
विकलागम का विवरण	गन्धर्वन युव भ्रगव नाम विकलागम आग उल्लंघन प्रयोगी गो नवगांग, तलीत व लिल झोल्युर।
अनुमति - गृहि	ज्ञानसव- दृष्टि

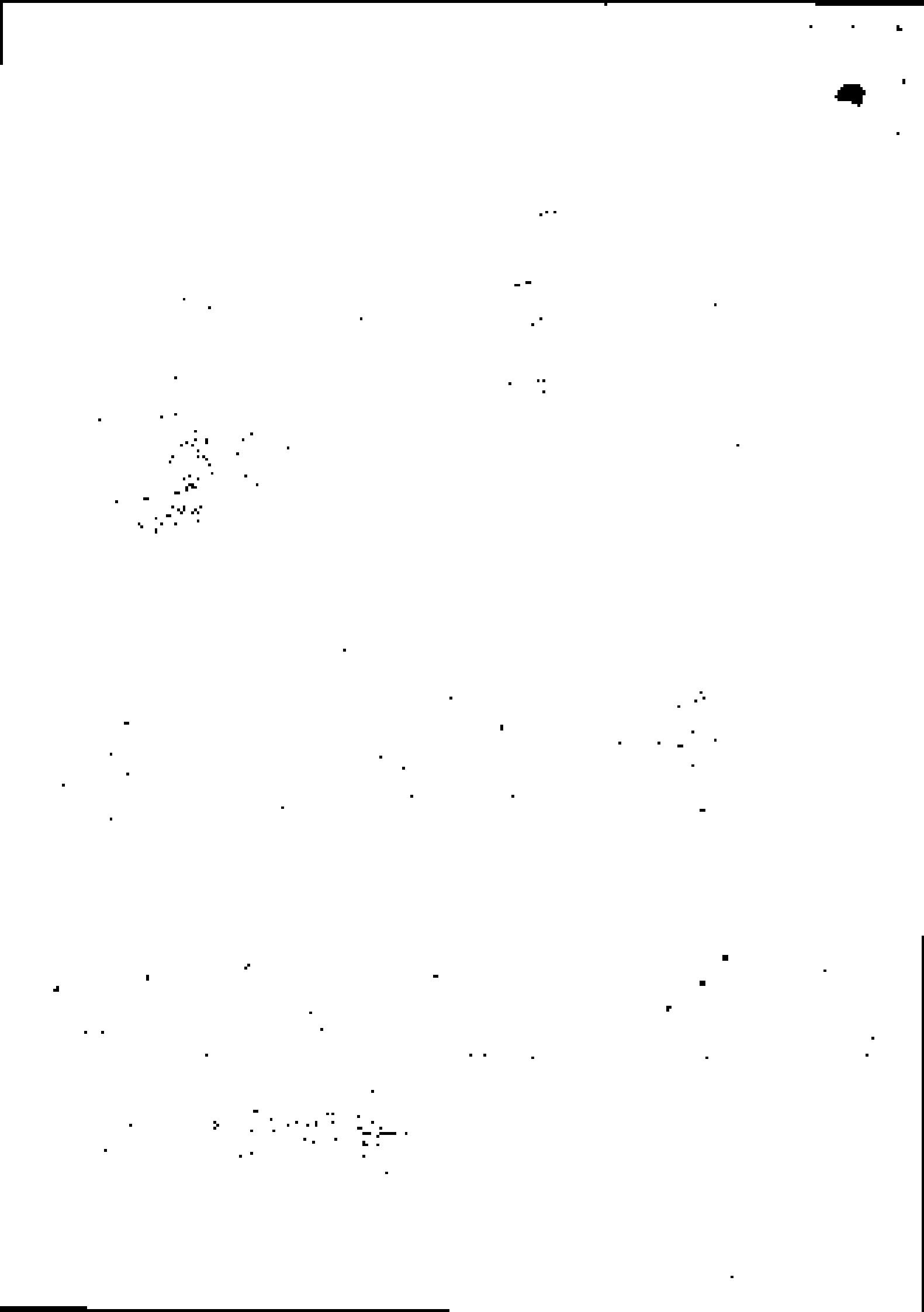
२५ मे २०१५
मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री



भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये
₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES
Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

0 279423

वह अक्षय किंतु 1. एम बिलाम पुन २०० रुपया 2. श्रीगती चन्दा
पानी ल्याप सदूऽ 3. इच्छा प्रणार 4. सुरेश पुराणा दुर्गामित्र निवासीमण
आम गुलामदार, मुमुक्षु, बरना फिल्मी, भक्तीप्रबोध लिपि लखनऊ ८०० ०१
है एवं राजसाही पुन शीघ्रता कीरी निवासी गला निरापुर बिलारी घोष
नवाचार, दरानीत व निला फलोहपुर लाने आगे केता कहा गया है के यथा
निमित्त लिखा रखा ।

यह दि अक्षयकाल दुर्गा पुराणा गुला नं० १०८० ०१६३ लखनऊ, दिल्ली
ग्राम- गुलामदार, मुमुक्षु, बरना फिल्मी, भक्तीप्रबोध लिपि लखनऊ का



भारतीय और न्यायिक

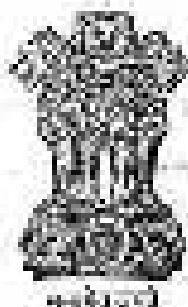
एक सौ रुपये

Rs. 100

₹. 100

ONE

HUNDRED RUPEES



भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 728847

प्रश्न, जोकि न जाना है कि उत्तर प्रदेश विकास बोर्ड द्वारा
इसमें CDL10 के अनुसार शृंग विकलाल के नम नं. १८५४३७३५४८ द्वारा
द्वारा दिए गए नाम का असाधारण गलत लिखित भूल
बचा है। विकलाल अपने समूह लिस्ट का यह विकलाल छाप
विकलाल द्वारा है विकलाल अपने समूह ग्रन्ति के मानक नीति व
जायज़ है एवं विकलाल द्वारा यहाँ द्वारा दिए गए नाम का असाधारण
गलत लिखित भूल द्वारा गलत है। यह नाम विकलाल द्वारा दिए गए
उत्तर प्रदेश विकलाल द्वारा दिए गए नाम का असाधारण गलत है।



अपने विकलाल

विकलाल

विकलाल



इतनारि गहरे क्षया है। लिंगेश्वर ने उसका भूमि पर पुरी जल संचय प्रबन्ध का कोई काम नहीं किया है। यहाँ कई ऐसे जगह चरित्र में बिकलती हैं जो उसके लिंगेश्वर विद्वेश्वर व उसके आदित्य व विष्णु उत्तरविश्वासी होंगे। उत्तरीभूमि या उत्तर जलों वाले इनी नवामहव वा समसारी घटनाओं के अन्तर्गत विवरण का बहुत लिया नहीं है, न तो भूर्ब इत्यादि है। लिंगेश्वर के अलावा उसका भूमि ये लिंगों अन्य वर्षाहर व लक्ष्मी, हनुमान व देव इत्यादि नहीं हैं। उस लिंगेश्वर को उस विद्वान् अलावा जलों वा भूमि अधिकारी प्राप्त है। अलावा उपरोक्त लियों के अलावा उत्तरजल यहाँ लियाय गृह्णन कुल्त रुप 1,00,063/- के प्राप्ताना में लिंगों उत्तरोपत के द्वारा लिंगेश्वर की इस भित्तेहाँ दे अलावा दो नहीं अनुशूल्य में वर्णित गये हैं अनुशार इनका एक देव भवा है एवं अलीसी पर्वि ने लिंगेश्वर यही लीकर बताये हैं, अनुशूल्य उस लिंगेश्वर द्वारा किंतु देव द्वारा उत्तरोपत वर्णित भूमि, लियाय लियाएँ इस विद्वान् भित्तेद्वारा के अन्त गी अनुशूल्य के अलावा लिया दिया है, क्यों उद्दृश्य देव दिया है, एवं लिंगेश्वर व लिंगशूल भूमि यह भूमि पर कल्पा भेदों जैसे अष्टूर्णी करा दिया गया है। अब उसका आदर्शी पर लिंगेश्वर जवा उसके वर्णितगत व्याख्यानों अद्विकार नहीं है। लिंगेश्वर ने लिंगशूल आधिता यहे जगते स्वामित्र व स्पर्श अधिकारी के लघु गृहांश्वर व उमेश्वर एवं त्रिपुर देवों जैसे हालान्तरित वर लिया है। उन जैसे लिंगशूल सम्बिल एवं उसके गृहांश्वर भगवान् जैसे अन्ते लिंगेश्वर लिंगित्र व अधिकार व कल्पे एवं सम्बिल के लघु देव पापेष एवं उद्देश्वर व अपार्ण देवों। लिंगेश्वर व उसके अधिकार उसमें लिंगी प्राप्ता, वी अद्वक्ष देवा एवं उस लक्ष्मी एवं न भी कोई भगवान् का लक्ष्मी और वहे लिंगशूल लक्ष्मी उद्देश्वर वही गण लिंगेश्वर वे स्वपित्त गी तुट्टि के भारत

संवाद संक्षेप

या जनुनी अद्यतन या कल्पनी शुट के आवास सेता या उद्योग विभाग
नियावधारण इतारि ये कल्पनी या अधिकार या स्फर ते नियाल जापे तो ज्ञान
उपके विभाग, नियावधारण अधिकार को ८० रुप्त होता कि नह अपना गमन
नुजमान न्य छां व शब्द, नियावधार की चह, ज्ञान सम्बिले मे जरिये
असहज अद्यतन भूत भर हो। तसे विभाग ये लिखता हैं एवं उसके विभाग छां ए
धन्वं देने हेतु यथा होगा ।

यह कि नियावधार वह सो बोका कला है कि उक्ता चूपि उद्योग
कियास प्रदिव्यारण, तात्त्वाद तथा उपाय अवास एवं नियास परिषद, उद्योग
तथा अन्य विभाग भी अपनी अपना गोर असहजी एका सुगा अविधेत औही
की गयी है और न ति प्रस्तावित है ।

यह कि केहा नियावधार गमनीता ये अद्यतन छांवित रावद्व अधिकारों
मे जपने नाम दर्ज कर देते हो विजेता वी तरह जाति न होती और यह तो
इस विकास विभाग के पूर्वे ज्ञ आग देंदे वजवा विजेता तात्त्व का भर उक्ता
सम्बिले पर होता हो अन्ये नियावधार भूमान व यहन जरों, विषेता वी
होड़े जाति न होनो ।

यह कि उपरोक्त अध्याता नाम उद्योगविभाग भूमानत अविधेत विभाग
देने ले अविधेत गांग व अन्यात आगा है इसके नियावधार तात्त्विका रेट
रुप्त १३,७५,०००/- प्रति विकेट्टर है इस प्रकार विकेट्टर चूपि ०.०१ डिक्टेल
की रुप्त परिलक्ष १,११,३७५/- होती है ज्ञ विकास रुप्त, चूपि नी वतान
कुप्त ते अद्यतन है इसके नियावधार विकास पूर्व यह हो ८० १८,१००/-
जनरल रावद्व अवा विष न रहा है। यह कि उपरोक्त विकेट्टर चूपि सूचि के

विकेट्टर विभाग

विकेट्टर विभाग

रावद्व विभाग

विकेट्टर विभाग

विकेट्टर विभाग

तपीम के लिए क्या की जाती है। गुणी ने स्टेंड पर इसका शाही नाम दे रखा था जो प्राचीन अवधीन गतिविधियों नहीं बल यहाँ है वह जीहे गलबूद, कुआं या नहीं है, वह 200 ग्रा. में तांबेचात में बोर्ड निर्माण नहीं है बिस्ती भूमि खेली जाती है, उत्तमता व उत्तमता यह एक स्टेंड है। लिप्तांत शूष्मि मुहामानगुर रेड है व अमर शूष्मि ग्रा. से लगभग 200 मीटर से अधिक ऊँची पर खिलते हैं जिसका एक छोटा दोनों अनुकूलियत नामी के समझते हैं। इस बेक्षय इलेक्ट्रो द्वे सिल्वर का हमला व्यापक द्वारा बहुत जिया गया है।

शिलाला यह निकल उन गिरिजागढ़ों ने कहा जे पहां ने लिए जिया गए हुए हैं और अनाम्भव पड़ने पर क्या आते।

परिभ्रष्ट भूमान विवरण

1. विकेन्द्रिय को ₹ 45,015/- द्वारा एक संख्या-135 वें निर्माण 26.09.2006 पंजाब नैशनल बैंक, हायलाइट लाइनज देना है पाल कुरा।
2. विकेन्द्रिय को ₹ 15,016/- द्वारा एक संख्या-151 वें निर्माण 26.09.2006 पंजाब नैशनल बैंक, हायलाइट लाइनज देना है प्रसु द्वारा।
3. विकेन्द्रिय को ₹ 45,016/- हारो एक संख्या-135 वें निर्माण 26.09.2006 पंजाब नैशनल बैंक, हायलाइट लाइनज देना है राज कुरा।



प्राप्ति किए गए

4. निवेदनम् जो ₹० ४५,०१६/- द्वारा देका गया है जो विवरित
२६.०९.२००६ ग्रन्थ सेवन के लिए इतनी तथा नक्कल दी गयी है।

इस द्वारा निवेदनम् का यह विवर यूप १,८०,०६३/- (अधिक सा
जाव अस्ती इसार निवेदन नव) है प्राप्त हुए निवेदन, इसी विवेदनम्
द्वारा दी गयी है।

दावगति-

दिनांक : २६.०९.२००६

ग्रन्थ :

1. श्री विष्णु विहारी द्वारा दी गयी दावगति
विष्णु विहारी
पंडित विष्णु विहारी
विष्णु विहारी

राजि द्वितीय

विवेदनम्

2. श्री विष्णु विहारी द्वारा दी गयी दावगति
विष्णु विहारी
पंडित विष्णु विहारी
विष्णु विहारी

विष्णु विहारी

विष्णु विहारी

दावगति

(श्री विष्णु विहारी)
विवेदन कोटि तथा नक्कल

प्रसिद्धकरा

(पंडित राम सिंह)
द्वारा दी गयी

१ अमरीका १२२,८००,००
 २ फ्रांस १७५,०००
 ३ अमेरिका १४५,०००
 ४ इंग्लैण्ड १३५,०००
 ५ जर्मनी १३०,०००
 ६ रूस १२५,०००
 ७ अमेरिका १२०,०००
 ८ अमेरिका ११५,०००
 ९ अमेरिका ११०,०००
 १० अमेरिका १०५,०००
 ११ अमेरिका १००,०००
 १२ अमेरिका ९५,०००
 १३ अमेरिका ९०,०००
 १४ अमेरिका ८५,०००
 १५ अमेरिका ८०,०००
 १६ अमेरिका ७५,०००
 १७ अमेरिका ७०,०००
 १८ अमेरिका ६५,०००
 १९ अमेरिका ६०,०००
 २० अमेरिका ५५,०००
 २१ अमेरिका ५०,०००
 २२ अमेरिका ४५,०००
 २३ अमेरिका ४०,०००
 २४ अमेरिका ३५,०००
 २५ अमेरिका ३०,०००
 २६ अमेरिका २५,०००
 २७ अमेरिका २०,०००
 २८ अमेरिका १५,०००
 २९ अमेरिका १०,०००
 ३० अमेरिका ५,०००

१०८ अंग्रेजों की विश्वासीता ने इसका दर्शाया। इसका अनुभव उन्हें बहुत अच्छा लगा।

ପାଇଁବା କାହିଁନାହିଁ ।

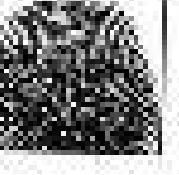
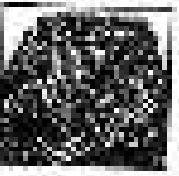
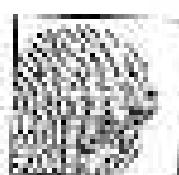
ପାତ୍ରଙ୍କିଳୀ ପାତ୍ର
ପାତ୍ରଙ୍କିଳୀ ପାତ୍ରଙ୍କିଳୀ
ପାତ୍ରଙ୍କିଳୀ
ପାତ୍ରଙ୍କିଳୀ ପାତ୍ରଙ୍କିଳୀ

ପାଦିବୁ କାହାର କାହାର
ପାଦିବୁ କାହାର କାହାର
ପାଦିବୁ କାହାର
ପାଦିବୁ କାହାର କାହାର

ਅੰਮਰੀ ਦੂਜਾ
ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇ ਪ੍ਰਸਾਦ
ਵਾਹਿਗੁਰੂ
ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇ ਪ੍ਰਸਾਦ

23

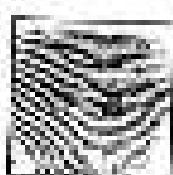
A 555.23
અનુભૂતિ - ૩



40 1x81.30 1.00
40 1x81.30 1.00



यात्रा शुभा
एष निराम्य [प्रसंग]
प्रदेशल
विविधता



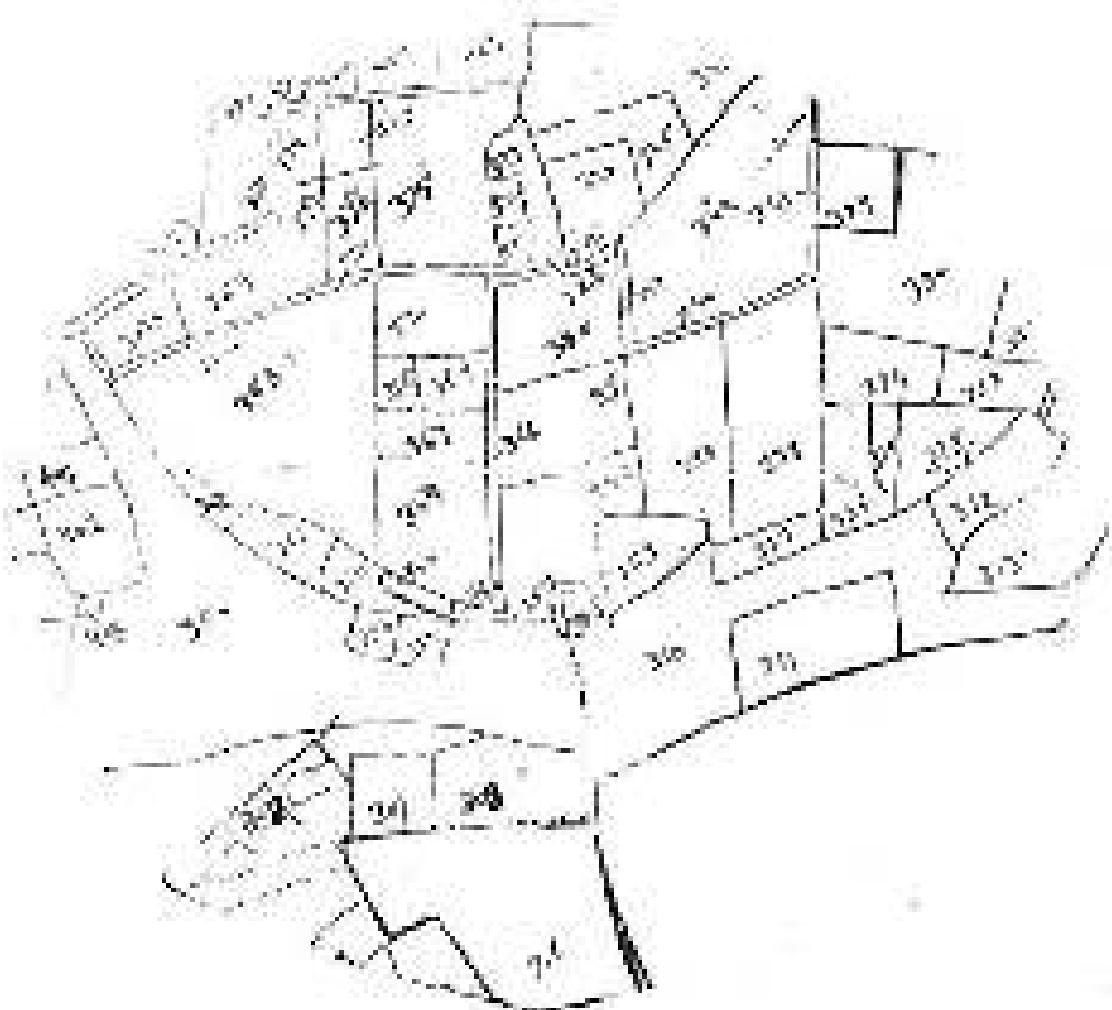
କାନ୍ତି
କାନ୍ତିରେ ଯାଏ କାନ୍ତି
କାନ୍ତିରେ ଯାଏ ଯାକାନ୍ତି
କାନ୍ତି ଯାଏ
କାନ୍ତିରେ ଯାଏ କାନ୍ତି
କାନ୍ତିରେ ଯାଏ ଯାକାନ୍ତି

ଶ୍ରୀ-ପାତ୍ରପାତ୍ରକାଳୀନୀ । ୫୩୮୩ । ଶ୍ରୀପାତ୍ରପାତ୍ରକାଳୀନୀ ।

卷之三 353

~~24-51~~ 24-581

બીજી પ્રેરણ



210180

625

Am. 25 Gen

1
Pap N-21

11

ଶ୍ରୀଜୀବାଣମେଳ

• १ विद्यालय नं० १
२ अधिकारी नं० १
३ एवं ४ अधिकारी
५ एवं ६ अधिकारी
७ एवं ८ अधिकारी
९ एवं १० अधिकारी
११ एवं १२ अधिकारी

१३ एवं १४ अधिकारी



संग्रह द्वारा निर्दिष्ट विद्यालय के लिए उपलब्ध होने वाली विद्यालयीकरण की विवरणों का संग्रह है।

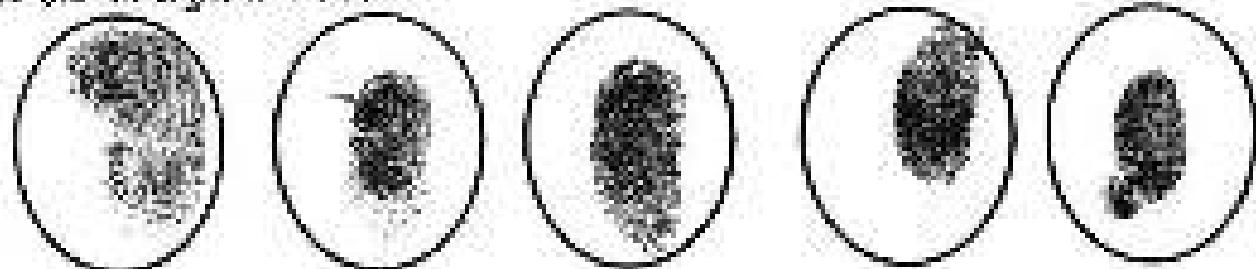
विद्यालय
अधिकारी नं० १
अधिकारी नं० २
अधिकारी नं० ३

रजिस्ट्रेशन अधिग्रंथि० १९०८ की आसा - ३२ पु० के ड्रग्सपालन के तृ
प्रिंसिपल प्रिल्डर्स

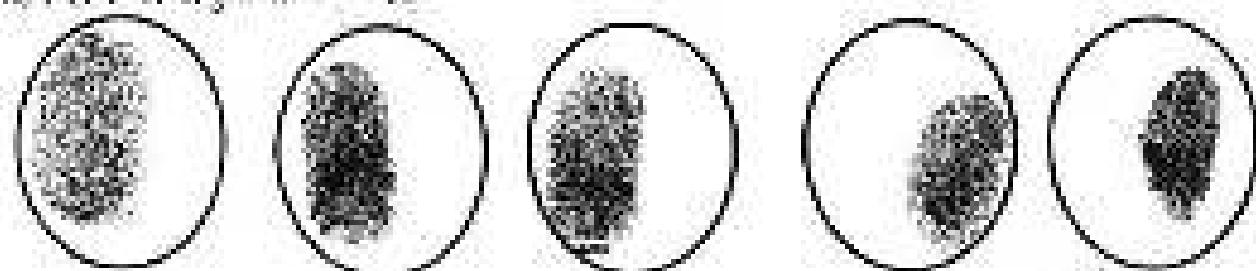
प्रकृतपक्षीयिक्षा नाम व पता

द्रग्स प्रिल्डर्स - ड्रग्सपालन - ड्रग्सप्रिल्डर्स

वारे हात की अग्नियों के चिह्न :-



वाहिने हाथ की अग्नियों के चिह्न :-



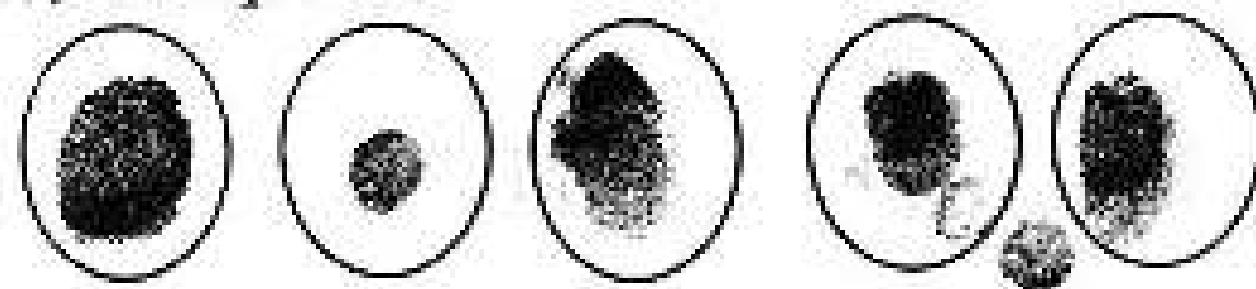
द्रग्स प्रिल्डर्स

प्रकृतपक्षीयिक्षा लोका के हस्ताक्षर

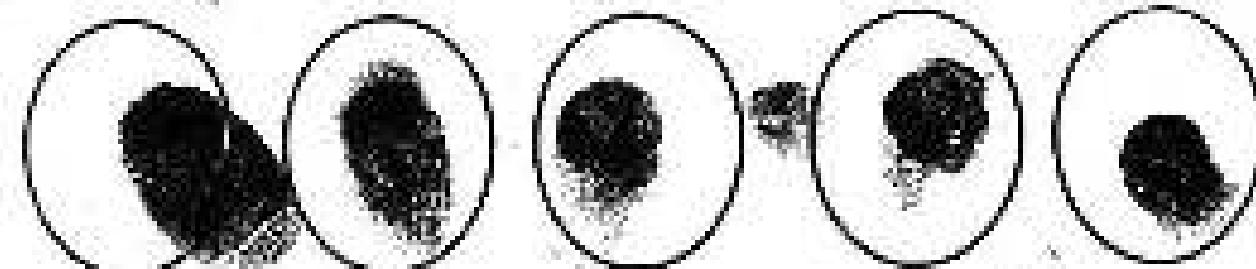
प्रिल्डर्स लोका नाम व पता

द्रग्स प्रिल्डर्स - ड्रग्सपालन - ड्रग्सप्रिल्डर्स

जये हात की अग्नियों के चिह्न :-



वाहिन हाथ की अग्नियों के चिह्न :-



द्रग्स प्रिल्डर्स - ड्रग्सपालन - ड्रग्सप्रिल्डर्स

प्रिल्डर्स - ड्रग्सप्रिल्डर्स

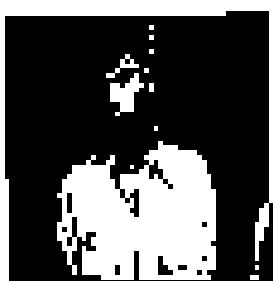
Photos

Photo ID No. 2000

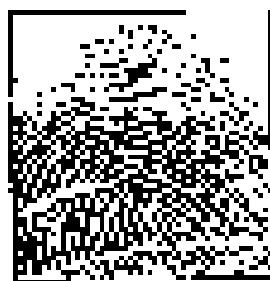
Date : 20/01

Location

0001 श्री कृष्ण
०१०२
०१०३ विजयनगर
०१०४



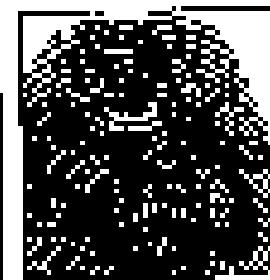
0105 गोप
०१०६
०१०७ विजयनगर
०१०८



0109 विजयनगर
०११०
०१११ विजयनगर
०११२



0113 गोप
०११४
०११५ विजयनगर
०११६



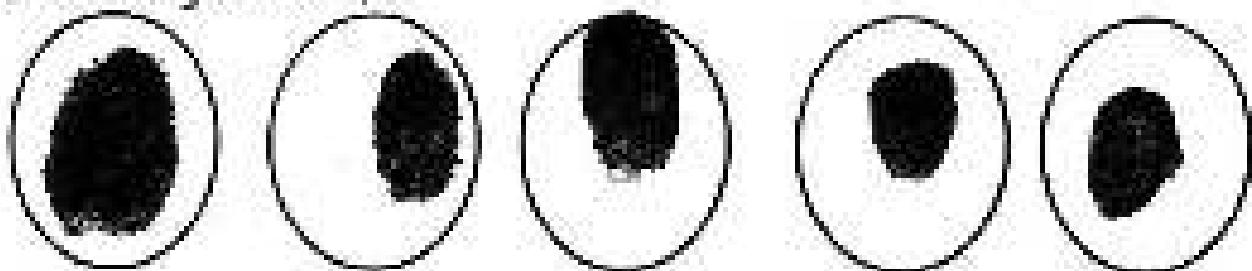
रविवार्षिक अधिकारी 1908 की शासा - 32 दूसरे के अनुपातन टेस्ट.

पिंजरसी छिन्टर्स

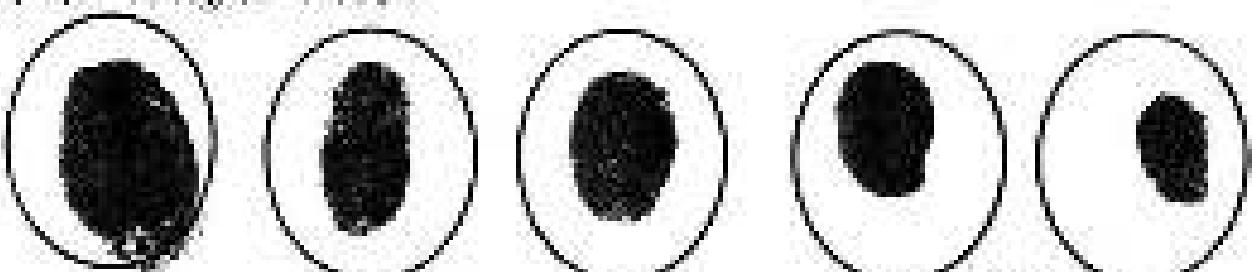
संस्कृतानि शिलोत्तमा नाम ए पाता :-

दुर्गाद्युष्मा लालाद्युष्मा लालाद्युष्मा लालाद्युष्मा लालाद्युष्मा

बाई हाथ की अग्रसिंही के निक :-



दाढ़ी हाथ की अग्रसिंही के निक :-

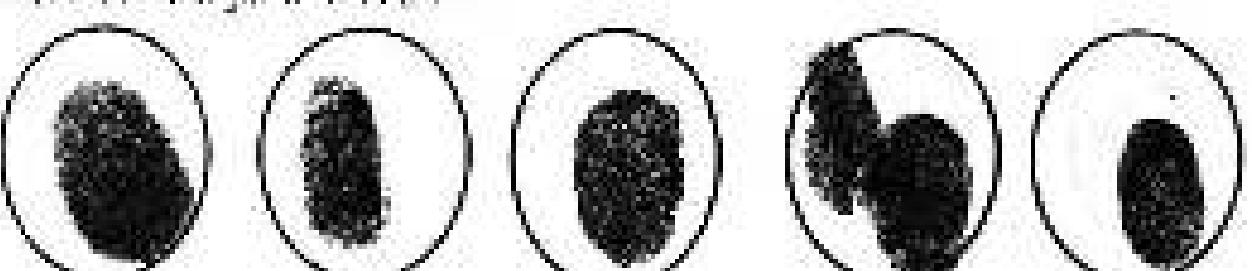


दाढ़ी हाथ की अग्रसिंही के निक

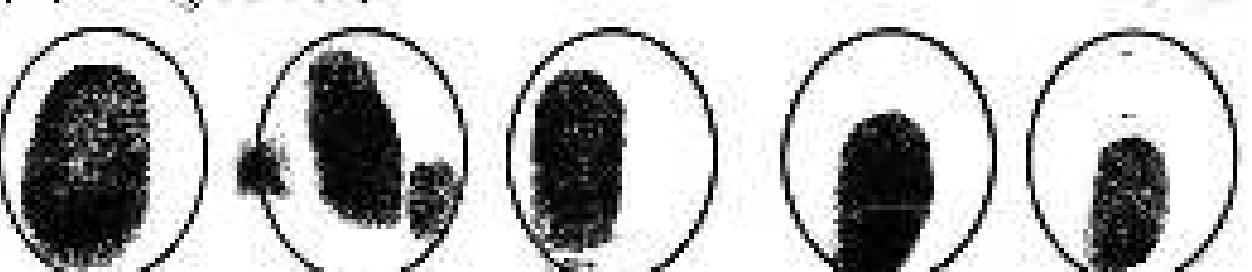
सिंहासना नाम ए पाता :-

दुर्गाद्युष्मा लालाद्युष्मा लालाद्युष्मा लालाद्युष्मा

बाई हाथ की अग्रसिंही के निक :-



दाढ़ी हाथ की अग्रसिंही के निक :-



दाढ़ी हाथ की अग्रसिंही के निक

DEPARTMENT OF STATE
2000
DRAFT
REVIEW
BUDGET REQUESTS / BUDGET

Year 2000 Budget Requests



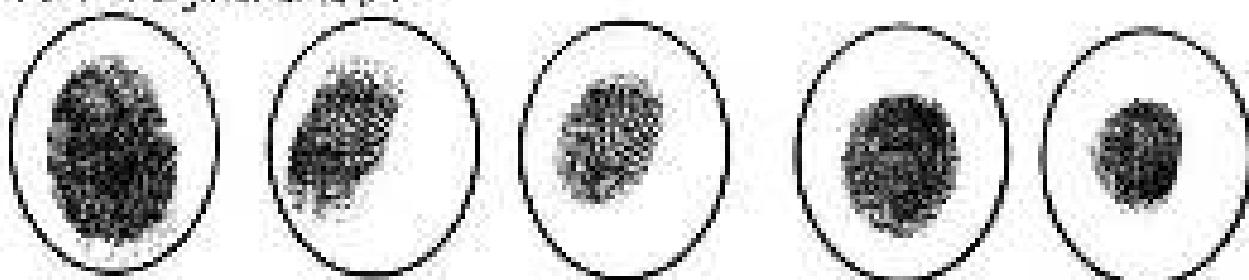
रजिस्ट्रेशन अधिन 1908 की धारा - 32 अंकों के अनुपालग्न हेतु

फिलर्स प्रिंटर्स

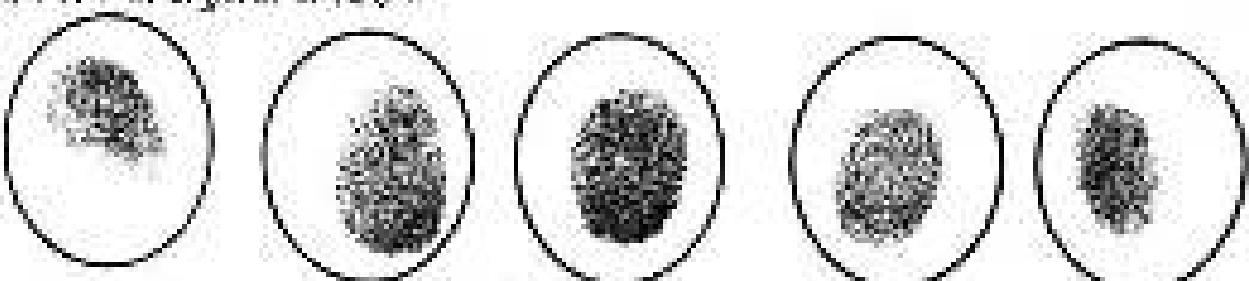
पश्चिमी विकल्प वाला वा

जन लाइन विकल्प विकल्प विकल्प

वाय हाथ की अंगुलियों के लिए :-



वाहन संघ की अंगुलियों के लिए :-

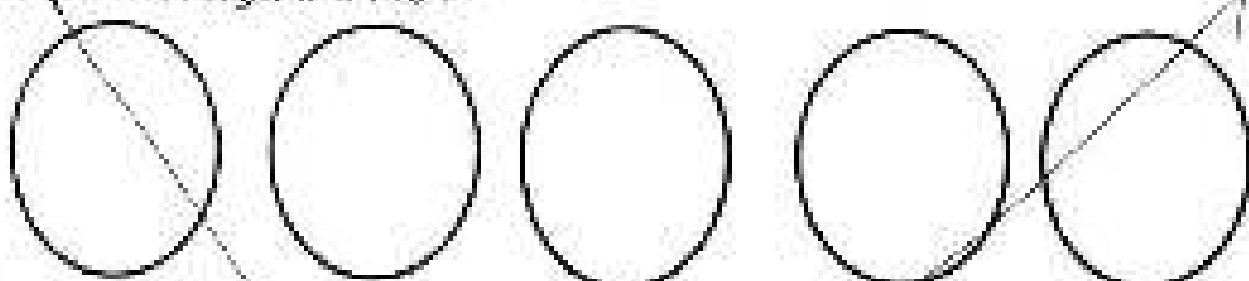


पर्सनल लैबल (पर्सनल लैबल)

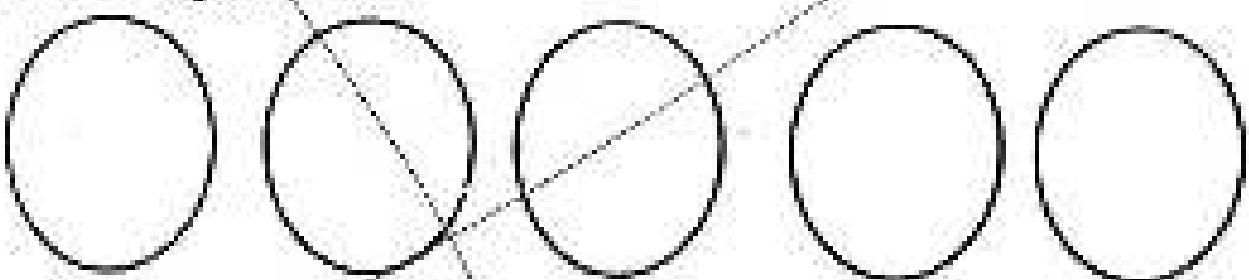
सिर्कल, लॉगो वा फॉटो :-

पर्सनल लैबल (पर्सनल लैबल)

मानो छिप की अंगुलियों के लिए :-



दाढ़ा छाद़ की अंगुलियों के लिए :-



सिर्कल, लॉगो के लकड़ियाँ

संग्रह संख्या 264972006 तरे

पुस्तक संख्या 1 पृष्ठां संख्या 7818

प्रकाशन संख्या 25 पृष्ठा 120 प्राकाशन संख्या 8101

प्रियदेवता किंवदन्ति

चमोसी रुद्रला

सा निष्पत्ति (प्राप्ति)

प्राप्ति

२०१२-२००८